नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ
रेस्क्यू वन्य जीव

किशन (नर बाघ)

इस नर बाघ को नरभक्षी हो जाने के कारण किशनपुर सेन्चुरी खीरी से पकड कर दिनांक 02 मार्च, 2009 को प्राणि उद्यान में लाया गया था, इसके द्वारा 06 व्यक्तियों को मार दिया गया था, यहॉ लाये जाने के समय इसके दाहिने कान की तरफ कई घाव थे जो कि कान तक फैले हुए थे, इसके घावों की जांच आई0वी0आर0आई0, बरेली द्वारा करवाने पर कान में कैंसर पाया गया। इसका इलाज प्राणि उद्यान चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है, वर्तमान में यह स्वस्थ है।

मैलानी (मादा बाघिन)

इस मादा बाघिन को दिनांक 26.02.2013 को मैलानी (खीरी) से रेस्क्यू करके यहॉ लाया गया, उस समय इसकी उम्र लगभग 5 से 7 माह थी तथा बांये पंजे पर गंभीर घाव था, जिसे प्राणि उद्यान के चिकित्सकों द्वारा इलाज किया गया। अब यह स्वस्थ है।

मैलानी (मादा बाघिन)

यह मादा बाघिन 19 जनवरी, 2017 को घायल अवस्था में पलिया, खीरी से लखनऊ प्राणि उद्यान लायी गयी थी, उस समय इसकी उम्र 6 से 7 माह की थी। यह बहुत कमजोर तथा दुबली थी, इसके पेट और पैर पर कई छोटे–छोटे घाव थे और एक बड़ा घाव पिछली दायें पैर पर था, जिसका उपचार प्राणि उद्यान के चिकित्सकों द्वारा कई महीनों तक किया गया। वर्तमान समय में इस सघन निगरानी में आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

12–मुस्तफा (नर बाघ)

इसको 12.02.2017 में मुस्तफाबाद, पीलीभीत से रेस्क्यू कर यहॉ लाया गया, उस समय इसकी उम्र 2 से 3 वर्ष की थी, इसके कारण पीलीभीत में 06 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी तथा एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। वर्तमान समय इसको प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है।

13–छेदीलाल (नर बाघ)

इस नर बाघ को 31 अगस्त, 2016 को छेदीपुर गाँव, मैलानी, खीरी से रेस्क्यू करके यहॉ लाया गया, इसके दाहिनी आँख में चोट लगने तथा एक कैनाइन टूट जाने से इसे शिकार करने में दिक्कत

आ रही थी, जिसके कारण यह क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन गया तथा इसके द्वारा 05 लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। वर्तमान समय में इसको प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है।

रेनू (मादा बाघिन)

यह मादा बाघिन को खीरी वन प्रभाग से दिनांक 14.04.2018 को लखनऊ प्राणि उद्यान लाया गया था, इस मादा बाघिन ने दुर्घटनावशः एक मनुष्य को मार दिया था। इस घटना से उत्तेजित उग्र भीड़ ने इस मादा बाघिन की निर्ममता से पिटाई कर दी थी, जिसके कारण यह गंभीर घायल अवस्था में लखनऊ प्राणि उद्यान लायी गयी थी। इस मादा बाघिन का उपचार प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सकों द्वारा कई माह तक किया गया। वर्तमान समय मुझे प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है।

मलीहाबाद (नर तेंदुआ)

इस नर तेंदुए को दिनांक 20.05.2008 को मलीहाबाद लखनऊ से पकड़कार प्राणि उद्यान लाया गया था। वर्तमान में इसकी आयु लगभग 17 वर्ष है। इसे प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सालय में आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

अकबर (नर तेंदुआ)

इस नर तेंदुए को दिनांक 27.11.2006 को इलाहाबाद कैंट एरिया से रेस्क्यू करके प्राणि उद्यान लखनऊ लाया गया था, वर्तमान में इसको प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है। इसका नामकरण मशहूर अभिनेत्री दिया मिर्जा द्वारा किया गया था।

सुल्तान (नर तेंदुआ)

इस नर तेंदुए को दिनांक 29.05.2017 को सुल्तानपुर वन प्रभाग से प्राणि उद्यान लखनऊ लाया गया था, इसकी आयु लगभग 6 से 7 वर्ष है। वर्तमान में इसको प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है।

हीर (मादा तेंदुआ)

इस मादा तेंदुए को दिनांक 09.06.2017 को पीलीभीत वन प्रभाग से प्राणि उद्यान लखनऊ लाया गया था, वर्तमान समय में इसकी आयु 3 से 4 वर्ष है। इसका बांया पंजा शिकारियों द्वारा लगाये गये खाबड़ में फंसकर कट गया था, वर्तमान में इसको प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सालय में रखा गया है।

बिजली (मादा तेंदुआ)

इस मादा तेंदुए को पीलीभीत वन विभाग द्वारा दिनांक 09.06.2017 को लखनऊ प्राणि उद्यान लाया गया था। वर्तमान में इसकी आयु लगभग 2 से 3 वर्ष है, इसका बायां पंजा अवैध शिकारियों द्वारा

लगाये गये खाबड़ में फंसा होने के कारण पूरी तरह से लगभग क्षतिग्रस्त हो गया था। इसे प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सालय में आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

शारदा (मादा तेंदुआ)

इस मादा तेंदुए को सुहेलवा वन प्रभाग से दिनांक 17.01.2008 को यहाँ लाया गया था। वर्तमान में इसकी आयु लगभग 10 वर्ष है। इसको प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सालय के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

वर्षा (मादा तेंदुआ)

इस मादा तेंदुए को बहराइच वन प्रभाग से प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सकों द्वारा दिनांक 28.07.2017 को लखनऊ प्राणि उद्यान लाया गया था। वर्तमान में इसकी आयु लगभग 2 से 3 वर्ष है। इसे प्राणि उद्यान के वन्य जीव चिकित्सालय के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

राशि (मादा तेंदुआ)

इस शावक मादा तेंदुए को मुकेरिया, बहराइच वन प्रभाग से दिनांक 13.10.2017 को लखनऊ प्राणि उद्यान लाया गया था। उस समय इसकी आयु 3 से 4 सप्ताह की थी तथा जीवित रहने के आसार अत्यन्त क्षीर्ण थे परन्तु लखनऊ प्राणि उद्यान के अनुभवी डाक्टरों के परिश्रम व वन्य प्राणियों के प्रति उनके समर्पण भाव के कारण यह शावक धीरे–धीरे स्वस्थ हो गया तथा इस समय 10 माह का उछलता–कूदता जू स्टाफ का प्रिय शावक है।

सोनाली (मादा तेंदुआ)

इस मादा तेंदुए की कहानी बहुत ही दिलचस्प है। यह मादा तेंदुआ सोहागीबरवा में तालाब के किनारे बेहोश अवस्था में पायी गयी जिसे दो बहादुर वन कर्मियों द्वारा मोटरसाइकिल पर बैठाकर अस्पताल ले जाया गया। इसकी चर्चा अखबारों में विस्तार से की गयी तथा आसपास के क्षेत्रों में यह चर्चा का विषय रहा। दोनों वन कर्मियों को इस असाधारण साहस के लिए मा0 उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के पश्चात दिनांक 01.05.2018 को लखनऊ प्राणि उद्यान लाया गया, उस समय यह अचेतन अवस्था में थी तथा इसकी मानसिक अवस्था भी अत्यन्त खराब थी। प्राणि उद्यान के अनुभवी डाक्टरों की देखरेख में मादा तेंदुआ पूरी तरह से स्वस्थ है।

Nawab Wajid Ali Shah Zoological Garden, Lucknow
Rescued Animal

1- Name- Kishan (Male Tiger)

This male tiger 'Kishan' was brought to the Lucknow zoo on date 2 March 2009 from Kishanpur forest Divison. This is a man-eater tiger, which brutly killed 5 people. When he was captured, he has many wounds spread all over near right ear. Indian institute of veterinary science, Bareilly took the sample for laboratory diagnosis and revealed that he has a Neoplasm on right ear. He is under close observation and treatment under the Veterinarians of Lucknow zoo. In present time the tiger is in normal condition.

2- Name- Mailani (Female Tiger)

This female tigeress was rescued and arrived at Lucknow zoo on 26-02-2013 from Mailani, Kheri, she was of about 5 to 7 months old. She had a serious wound on her left paw, which was treated by the Veterinarians of Lucknow zoo. Now the tigeress is in healthy condition

1- Name- Chhedilal (Male Tiger)

This male tiger 'Chhedilal' was captured from Chhedipur village of Mailani, Kheri on 31st August, 2016 and brought to the Lucknow zoo, he was of about 8 to 10 years old. He was a most terrifying man-eater who brutally killed 6 people. After detailed physical examination by Lucknow veterinarians, it was found that the animal had cornial opacity in the right eye and broken upper right canine. Due to that the predator was not able to carry on natural hunting process. Presently, this tiger is in healthy condition and kept in veterinary hospital. Now the tiger is in healthy condition. The animal is massive and quite attractive due to his shape and size.

2- Name- Julia (Female Tiger)

This female tiger was found injured at Paliya, Kheri. She was brought to the Lucknow zoo on date 19 January, 2017. At that time she was about 6 to 7 months old, she was very weak and emaciated. She had numerous wound on belly and feet. She had a large size wound on right hind leg near stifle joint, which was treated by the Veterinarians of Lucknow zoo for several months. In present time, she is under close observation by the Veterinarians of Lucknow zoo and now the tigeress is in healthy condition.

3- Name-Mustafa (Male Tiger)-

This male tiger was captured from Mustfabad, Pilibhit and brought to Lucknow zoo on 12-02-2017, he was of about 2 to 3 years old. This was a maneater tiger and brutally killed 6 people and injured several people. At present, tiger is in healthy condition and kept in isolation ward of veterinary hospital of Lucknow zoo.

4- Name- Renu (Female Tiger)

This Female tiger 'Renu' was rescued from Kheri, Dudhwa Forest div. on 14-04-2018 and brought to the Lucknow zoo. She accidently killed 1 person and was badly beaten by the mob. She had head and internal injuries. She was treated at veterinary hospital of Lucknow zoo. Now the tigeress is in healthy condition.

Name- Sharada (Female Panther)

This female panther was rescued from Sūhelva forest division on 17-01-2008 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 10 years old and kept in isolation ward of veterinary hospital.

5- Name -Malihabad (Male Panther)

This male panther was rescued from Malihabad, Lucknow on 20-05-2008 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 17 years old and in healthy condition. Animal is kept in isolation ward of veterinary hospital.

6- Name -Akbar (Male Panther)

This male panther was rescued from Allahabad cant area on 20-05-2008 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 14 years old and is in good health. The animal is kept in isolation ward of Veterinary hospital.

1- Name - Sultan (Male Panther)

This male panther was rescued from Sultanpur forest division on 29-05-2017 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 6 to 7 years old and is in good health condition and kept in isolation ward of Veterinary hospital.

2- Name - Heer (Female Panther)

This female panther was rescued from Pilibhit forest division on 09-06-2017 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 2 to 3 years old. Her left paw was badly injured due to a hidden trap by poachers. Presently, she is kept in isolation ward of Veterinary hospital.

3- Name- Versha (Female Panther)

This female panther was rescued by Lucknow zoo veterinarians from Baharaich forest division on 28-07-2017 and brought to the Lucknow zoo. At present the panther is about 2 to 3 years. Presently kept in isolation ward of veterinary hospital.

4- Name Rashi (Female Panther)

This female panther cub was brought to the Lucknow zoo on 13-10-2017 from village Mukeria, Baharaich Forest Division. At present the panther cub is about 10 months old and in healthy condtition. The cub is loved by all the zoo staff.

5- Name -Bijli (Female Panther)

This female panther was brought to the Lucknow zoo on 13-10-2017 from village Mukeria, Baharaich Forest Division. She was badly injured and due to Gangerine fore limb was amputated.

6- Name -Sonali (Female Panther)

This female panther was lying on the bank of a water body in an unconscious condition and was brought to local veterinary hospital by two brave foresters on motocycle. After first aid it was brought to Lucknow Zoo on 01 May, 2018. This story was published in all the newspaper and vigorously appreciated by public. The two brave foresters were awarded by Dy. Chief Minister

of State, U.P. for showing extraordinary courage in rescuing of wild animal. The animal was in very bad condition, showing no sign of revival but in the experienced hands of Lucknow Zoo veterinarians the panther regained its health and vigour. Now the animal is healthy and active.

&&&&&

&&